सभी प्रकार की सरकारी सहायताओं से मुक्त, खोजी पत्रकारिता का तेज बढ़ता अखबार

दैनिक

themovementofindia.in

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

RNI No. RAJHIN/2012/48876
पोस्टल पंजीयन नं. भीलवाड़ा / 2025-2027

खोजी खबरें-तेज नजरें

प्रेरणा स्रोत - स्व. चुन्नीलाल सालवी

ये अखबार ही नहीं क्रांति का अभियान है। मानवता एवं लोकतंत्र का सजग प्रहरी, ये दुष्टों की मौत का सामान है।

वर्ष - 13 अंक -364 | 09 जून 2025,सोमवार | संपादक - दयाराम दिव्य | सहसंपादक - चाहत सालवी | मूल्य - 2 रू.

नड्डा बोले- पहले की सरकार भ्रष्टाचार-निगेटिविटी से भरी थी:मोदी सरकार में ये भावना बदल गई

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

मोदी सरकार के सोमवार को 11 साल पूरे हो गए। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सरकार के कामकाज, फैसलों और नीतियों पर भाजपा हेडक्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

उन्होंने कहा- नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां जनता को भड़का रही थीं, लेकिन लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे थे। लोगों को मोदी जी की लीडरशिप पर भरोसा था।

नड्डा ने कहा- देश ने मान लिया था कि अनुच्छेद 370 हटाना मुमकिन नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने कर दिखाया। जम्मू-

कश्मीर में लोकसभा चुनाव के दौरान 58.46त्न वोटिंग हुई, वहीं विधानसभा चुनाव में 63त्न वोट पड़े। यह बदलाव मोदी सरकार के साहसी फैसले का नतीजा है।मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया ङ्क्ष पर वीडियो पोस्ट किया। साथ ही उन्होंने लिखा, %हमारी सरकार की योजनाओं के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ जन-जन का कल्याण हो रहा है। हमने पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों की जिंदगी आसान बनाने की कोशिश की है।

एक दिन पहले रविवार को मोदे ने कहा था कि उज्ज्वला योजना ने लाखों घरों को धुएं से मुक्ति दिलाई। मुद्रा योजना से महिलाओं को खुद का बिजनेस शुरू करने का मौका मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं के नाम पर घर देने से उन्हें संपत्ति में हिस्सेदारी मिली। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान ने बेटियों की सुरक्षा और शिक्षा को लेकर देशभर में जागरूकता फैलाई।'

पिकनिक मनाने गए मां-बेटी, भतीजा माही के पानी में डूबे:बच्चों को डूबता देख मां ने छलांग लगाई थी

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

माही डैम के बैक वाटर (डूब क्षेत्र) में हादसा हो गया। यहां घूमने आई मां-बेटी और भतीजा इसमें डूब गया। इनके साथ 2 बच्चे और थे जो पानी में नहीं उतरे। तीनों को डूबता देख उन्होंने शोर मचाया तो आस पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कूदकर बचाने की कोशिश की। लेकिन, तीनों को नहीं बचाया जा सका। ग्रामीणों ने ही तीनों के शव बाहर निकाले।सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम भी पहुंची। इसके बाद सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। मामला बांसवाड़ा के भूंगड़ा थाना इलाके का माही डैम के डूब क्षेत्र का सुबह 11ः30 बजे का है। भूंगड़ा थाना स्राह रमेशचंद्र ने बताया- भूंगड़ा थाना इलाके में माही डैम का डूब क्षेत्र हैं। यहां सोमवार को डूबने से इंदिरा कॉलोनी निवासी मरजीना (30) पत्नी शाहरुख लखारा, अफसाना (9) पुत्री शाहरुख और भतीजा अल्फेज (9) पुत्र इमरान की मौत हो गई। वे यहां घूमने आए थे। इसी दौरान डूब गए। ग्रामीणों की सूचना पर यहां पहुंचे थे। ग्रामीणों ने पहले ही शव निकाल लिए थे। तीनों के शव एमजी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाए गए हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपेंगे।

संकल्प से सिद्धि तक अभियान को लेकर कार्यशाला आयोजित: भाजपा जिलाध्यक्ष बोले- पीएम मोदी ने सभी संकल्प सिद्ध किए

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

केंद्र में मोदी सरकार के विकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 साल बेमिसाल उपलब्धियों के साथ प्रारंभ संकल्प से सिद्धि तक अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला आज भीलवाड़ा भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई ।

भारत की वैश्विक मंच पर बनी नई पहचान - कार्यशाला में प्रदेश मंत्री अजीत मांडन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बनी है। 2014 से पूर्व जहां देश में आतंकवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण जैसी अव्यवस्थाएं चरम पर थी, वहीं 2014 के बाद पीएम मोदी ने देश के हालात बदलने का ऐतिहासिक कार्य किया।

हमारी अर्थव्यवस्था आज चौथे नंबर पर आ गई - उन्होंने कहा- युवा, महिला, किसान और मजदूर, गरीब श्रेणी में विभाजित लोगों के कल्याण और उत्थान के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया है। 2014 से पूर्व हमारी अर्थव्यवस्था 11वें पायदान पर थी, जो आज चौथे नंबर पर आ गई। अब हमें केंद्र सरकार और राजस्थान की डबल इंजन सरकार की योजनाओं को आमजन के बीच लेकर जाना है। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए भारत के निर्माण का संकल्प लिया और 11 साल में उन संकल्पों को सिद्ध भी किया। उन संकल्पों को जन जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भाजपा कार्यकर्ताओं की है।

कार्यों को अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा - अभियान के जिला संयोजक पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी ने कार्यक्रम की रूपरेखा सभी के समक्ष रखते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करता है। इसलिए पीएम मोदी के नेतृत्व में 11 सालों में भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने के लिए किए गए ऐतिहासिक कार्यों को भाजपा जिला संगठन के माध्यम से अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। भाजपा प्रदेश मंत्री अजीत मांडन के मुख्य आतिथ्य, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता, जिला प्रमुख बरजी देवी भील, विधायक लादूलाल पीतलिया, लालाराम बैरवा, गोपाल खंडेलवाल, उदयलाल भडाना, अभियान जिला संयोजक पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, महापौर राकेश पाठक, पूर्व विधायक बालूलाल चौधरी के विशिष्ट आतिथ्य में भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित हुई।

इनकी रही मौजूदगी

भाजपा जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि इस अवसर पर उपजिला प्रमुख शंकर गुर्जर, पूर्व जिला प्रमुख शक्तिसिंह हाड़ा, रामचंद्र सेन, जिला महामंत्री राजकुमार आंचलिया, भगवती प्रसाद जोशी, मंजू चेचाणी, बाबूलाल आचार्य, लक्ष्मण सिंह राठौड़, सुरेंद्र सिंह मोटरास, गोपाल तेली, अमित सारस्वत, अमरसिंह चौहान, राधेश्याम कुमावत, रेखा अजमेरा, प्रतिभा माली, ललित अग्रवाल, पंकज मानसिंहका, महावीर समदानी, अजय नौलखा, मनोज बुलानी, अजीत केसावत, कुलदीप शर्मा, शंकरलाल जाट, तेजप्रताप सिंह, घनश्याम सिंघीवाल, मनीष पालीवाल, अनिल सिंह जादौन, पीयूष डाड, नंदलाल गुर्जर, राजासाध वैष्णव, आरती कोगटा, सुमित्रा पोरवाल, इंदु बंसल, मीनाक्षी नाथ, ज्योति आशीर्वाद सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चलती रोडवेज बस से उतरते समय गिरा युवक

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

झुंझुनूं में चलती रोडवेज बस से उतरते समय युवक नीचे गिर गया। बस का पिछला टायर युवक के दोनों पैरों को कुचलता हुआ निकल गया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे में 3 बहनों के इकलौते भाई की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना नवलगढ़ में घूमचक्कर के पास रविवार शाम करीब 5:30 बजे की है। हादसा स्थल के पास की मिठाई की दुकान पर लगे सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई। सीसीटीवी में साफ दिखाई दे रहा है कि युवक चलती रोडवेज बस से पीछे मुंह कर के उतर रहा था। सड़क से संपर्क होते ही युवक का बैलेंस बिगड़ गया और वो गिर गया। इसी दौरान बस का पीछे वाला टायर युवक के दोनों पैरों को कुचलता हुआ चला गया। घटना के बाद आस-पास लोगों की भीड़ जमा हो गई। जिन्होंने झुंझुनूं के वार्ड 34 निवासी समीर (23) पुत्र इमरान को तुरंत नवलगढ़ के जिला अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जयपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

परिजनों ने बताया कि समीर झुंझुनूं में किराना दुकान पर काम करता था। वो अपने ननिहाल नवलगढ़ जा रहा था। घूमचक्कर सर्किल के पास चलती बस से उतरने की कोशिश में ये हादसा हुआ। पुलिस ने पास के एक मिष्ठान भंडार के सीसीटीवी फुटेज को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। समीर अविवाहित था और 3 बहनों का इकलौता भाई था। उसके पिता ब्लड कैंसर से पीड़ित हैं। हादसे की खबर सुनते ही अस्पताल में परिजनों और रिश्तेदारों की भीड़ जमा हो गई।

C M Y K

सम्पादकीय

विश्वास के संकट से घिरी न्यायपालिका

भारतीय न्यायपालिका विश्वास के संकट से गुजर रही है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा है कि 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की घटनाओं से जनता के विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और इससे पूरी न्याय प्रणाली में विश्वास कम हो सकता है।' यह गंभीर बात उन्होंने तब कही है, जब भ्रष्टाचार के मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा के विरुद्ध महाभियोग पर सत्ता पक्ष विपक्षी दलों से विचार विमर्श कर रहा है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने बीते दिनों कहा था कि 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को राजनीतिक दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। सरकार न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के महाभियोग प्रस्ताव पर सभी दलों का सहयोग चाहती है।' उन्होंने याद दिलाया कि सुप्रीम

कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति ने भी वर्मा को दोषी ठहराया है। देश में न्यायिक सुधारों की मांग काफी पुरानी है। केंद्र सरकार ने हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए एक राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाया था। न्यायिक सुधारों की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम था, पर जजों की नियुक्ति की उस प्रणाली को न्यायपालिका द्वारा निरस्त कर दिया गया था। कहा गया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता संविधान का आधारिक लक्षण है। मुख्य न्यायाधीश गवई ने भी कहा है कि 'वर्तमान कोलेजियम प्रणाली आलोचना से रहित नहीं है, पर इसका समाधान न्यायिक स्वतंत्रता की कीमत पर नहीं हो सकता।' न्यायिक स्वतंत्रता की बात ठीक है, संवैधानिक है, पर न्यायपालिका सहित सभी संवैधानिक संस्थाओं द्वारा मर्यादा पालन जरूरी है। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और कदाचरण के प्रश्न लगातार उठते रहे हैं। न्यायमूर्तियों के विरुद्ध महाभियोग की कार्रवाई जटिल है। संविधान के अनुच्छेद 124 उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति एवं अनुच्छेद 217 के अनुसार उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पर कार्रवाई के लिए लोकसभा और राज्यसभा के सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। दोनों सदन के सदस्यों का सामान्य बहुमत और वोट डालने वाले उपस्थित सदस्यों का दो तिहाई बहुमत अनिवार्य है। इसके पूर्व लोकसभाध्यक्ष/सभापति एक जांच समिति गठित करते हैं। इस जांच के बाद कार्रवाई आगे बढ़ती है। न्यायमूर्ति वी. रामास्वामी के विरुद्ध 1993 में लोकसभा में पहला महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन अपेक्षित बहुमत के अभाव में गिर गया। 2011 में कोलकाता हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सौमित्र सेन ने राज्यसभा द्वारा पारित महाभियोग प्रस्ताव पर त्यागपत्र दे दिया था। 2015 में राज्यसभा के 58 सदस्यों ने गुजरात हाई कोर्ट के न्यायाधीश जे. पारदीवाला के विरुद्ध आरक्षण संबंधी आपत्तिजनक बयान पर महाभियोग का नोटिस दिया था। उसी साल लगभग 50 राज्यसभा सदस्यों ने न्यायमूर्ति एसके गंगेले के विरुद्ध नोटिस दिया था। उन पर जिला जज के यौन उत्पीड़न का आरोप था। जजेज इंक्वायरी एक्ट (1968) के अधीन जांच कमेटी बनाई गई थी। प्रस्ताव पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में निरस्त हो गया। 2017 में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के न्यायमूर्ति सीवी नागार्जुन रेड्डी के विरुद्ध भी राज्यसभा सदस्यों ने महाभियोग प्रस्ताव रखा था। 2018 में विपक्षी दलों ने प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा के विरुद्ध भी महाभियोग के प्रस्ताव का प्रयास किया था। सिक्किम हाई कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश पीडी दिनाकरन के विरुद्ध आए प्रस्ताव पर राज्यसभा के सभापति ने आरोप जांचने के लिए समिति गठित की थी। दिनाकरन ने इसी दौरान त्यागपत्र दे दिया। भारतीय संविधान के प्रवर्तन के 75 वर्ष के भीतर महाभियोग के सिर्फ पांच प्रस्ताव सिद्ध करते हैं कि महाभियोग प्रक्रिया बहुत जटिल है। संविधान निर्माताओं ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता अक्षुण्ण रखने के लिए विशेष सुरक्षा कवच उपलब्ध कराए हैं। कायदे से न्यायपालिका को स्वयं अपने तंत्र के भीतर भ्रष्टाचार और लोक शिकायतों की जांच का कोई ढांचा विकसित करना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। संविधान निर्माता स्वतंत्र न्यायपालिका एवं सबको न्याय की गारंटी चाहते थे। संविधान सभा में (छह जून, 1949) सी. दास ने कहा था, 'विश्वास है कि डा. आंबेडकर एवं सदन के अन्य विधि विद्वान ऐसी व्यवस्था करेंगे, जिसमें लोगों को न्याय मिले।' सभा में सुप्रीम कोर्ट के कार्य आवंटन पर बहस चल रही थी। दास ने कहा, 'मेरे मित्र ब्रिटिश प्रणाली के न्याय निर्वचन पर क्यों मुग्ध हैं? प्रस्तावित उपबंधों के अनुसार एक न्यायालय से दूसरे एवं अंत में सर्वोच्च न्यायालय में अपील जाएगी। ऐसी हालत में जनसाधारण को न्याय कैसे मिलेगा?' विधिवेत्ता अल्लादि कृष्णास्वामी अय्यर ने कहा, 'इंग्लैंड धनी देश है। जनसंख्या चार करोड़ है। हमारी जनसंख्या 30 करोड़ है। यहां गारंटी होनी चाहिए कि हर व्यक्ति को न्याय मिलेगा।' न्याय सबकी अभिलाषा थी और है। सभा में एम. थीरुमल राव ने कहा, 'न्यायालयों का जाल बिछ गया है, लेकिन इन न्यायालयों में वही जा सकते हैं जो संपन्न हैं।' संप्रति न्यायिक प्रक्रिया बहुत महंगी है। संपन्न के लिए सर्वसुलभ है और गरीबों के लिए महादुर्लभ है। यह स्थिति उस देश की है, जहां हजारों वर्ष पहले भी सर्वसुलभ राजव्यवस्था एवं न्यायव्यवस्था थी।

प्रधान संपादक - दयाराम दिव्य

संघर्ष समिति के बेनर तले कलेक्ट्री पर किया धरना प्रदर्शन,नारेबाजी सीएसआर रूल्स - 2022 मे स्क्रीनिंग कराने को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा - जिला कलेक्टर कार्यालय पर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघर्ष समिति के बैनर तले सीएचओ ने नारेबाजी,धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम जिला कलेक्टर जसमीत सिंह सिंधु को ज्ञापन सौंपा ! ज्ञापन में संघर्ष समिति सदस्य चांदमल रेगर ने बताया कि सीएचओ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों मे ग्रामीण इलाकों में आधारभूत प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओ सहित सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रहे है उसके बावजूद भी सरकार और भीलवाड़ा सीएमएचओ हमारे साथ कुठाराघात कर रहे हैं ! प्रदेश के करीब सात हजार सीएचओ को मार्च 2022 मे विभाग ने राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स - 2022 के नियम शर्तो के साथ हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स पर पदस्थापित किया ! लेकिन पूर्ववर्ती सरकार ने मई 2023 मे राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स - 2022 के अधीन अप्पोइंटमेंट लेटर जारी करने के नाम पर प्रदेश के सीएचओ की जॉइनिंग दिनांक बदल दी गई ! संघर्ष समिति की मांग है कि हमारी जोइनिंग सीएसआर मे मार्च 2022 यथावत रखी जाए और 3 वर्ष पूर्ण होने पर स्क्रीनिंग प्रकिया मे शामिल किया जाए ! संघर्ष समिति सदस्य कैलाश चंद्र मीणा ने बताया कि जिले को वितीय वर्ष-2024 मे जिले को इंक्रीमेंट,इंसेंटिव के लिए मार्च 2025 को जिला स्वास्थ्य समिति को पांच करोड़ साठ लाख रुपए जारी हुए लेकिन सीएमएचओ भीलवाड़ा ने ब्लॉक को सिर्फ साठ लाख ही वितरित किए !जिससे पूरे जिले के संविदा कर्मचारियों मे आक्रोश और रोष व्याप्त है !

संघर्ष समिति सदस्य कुलदीप सुवालका ने बताया कि संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल की जिला कलेक्टर से सकारात्मक वार्ता हुई है और आगामी 15 दिनों में इंसेंटिव इंक्रीमेंट और सैलरी सहित अन्य गतिविधियों कब उपयोग हेतु पर्याप्त बजट ब्लॉक तक जारी कर दिया जाएगा और सीएसआर नियम - 2022 के अंतर्गत नियमित पदों पर स्क्रीनिंग की सूचना भीलवाड़ा सीएमएचओ द्वारा भेजी जाएगी ! धरना प्रदर्शन के दौरान सीमा जैन आशीष रेगर सुरेश कुमार मीणा छोटू लाल रेगर नीलेश सुवालका दिनेश कुमार गुर्जर मदन खटीक शबीना बी पठान राजेश नुवाल धर्मीचंद रेगर अमन शर्मा कन्हैया लाल सालवी ममता शर्मा दिनेश कुमार गुर्जर सहित जिले के सैकड़ो सीएचओ धरना प्रदर्शन मे मौजूद रहे !

काछोला क्षेत्र में अच्छी बारिश की कामना के लिए पूजे काछोला के सभी खेड़ा खूंट के देव

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

सुरज वर्मा

भीलवाडा ज़िले के काछोला क्षेत्र में अच्छी बारिश की कामना के लिए काछोला के ग्रामीणों ने आज काछोला में स्थित गांव के सभी खेड़ा खूंट देवी देवताओं की पूजा अर्चना की ।काछोला गांव ठाकुर साहब वंश प्रदीप सिंह सोलंकी ने बताया कि आज गांव के सभी मोतवीर ग्रामीणों द्वारा काछोला में स्थित सभी देवी देवताओं को नारियल सिंदूर व ध्वजा पहराकर अच्छी बारिश हेतु कामना की गई सोलंकी ने बताया कि गांव में बड़ा मंदिर लक्ष्मीनाथ जी से शुरुआत करते हुए घाटी के भेरुनाथ व पहाड़ी पर स्थित बावन माता जी होते हुए लाल बाई फुल बाई व तेजा जी महाराज महादेव मंदिर बाग के बाला जी चावण्डा माता व ढोलाई की बावड़ी स्थित देवनारायण मंदिर पर ध्वजा पहराकर आरती कर समाप्ति की

इस दौरान गांव के सभी देवी देवताओं की पूजा अर्चना की गई इस दौरान काछोला ठाकुर वंश प्रदीप सिंह सोलंकी भंवर सिंह, कन्हैया लाल धाकड़ मोहन लाल धाकड़ खाना धाकड़ नारजी धाकड़ हीरा लाल भील रामनिवास आचार्य उदय लाल आदि ग्रामीण मौजूद रहे

हिन्दुस्तान जिंक ने रामपुरा आगुचा में उठाएं पर्यावरण सुरक्षा और सरंक्षण हेतु महत्वपूर्ण कदम

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाडा। (पंकज पोरवाल)

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा रामपुरा आगुचा माइंस के आस पास के क्षेत्र में पर्यावरण की सुरक्षा और सरंक्षण हेतु, इस वर्ष भी महत्वपूर्ण कदम उठाएं गये। सघन वृक्षारोपण की शुरूआत के साथ ही आगुचा तालाब का पुर्नउद्धार कर उद्यान का भी शुभारंभ किया। वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत गणमान्य व्यक्तियों ने पौधे लगा कर की। इसके अलावा, हुरड़ा, कोटडी, बड़ला, भोजरास, कोटिया, मूलजी का खेड़ा और रूपाहेली के आस-पास के गांवों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 700 पौधे लगाए गए। हिन्दुस्तान जिंक द्वारा विभिन्न सामुदायिक सहभागिता और कर्मचारी स्वयंसेवा के माध्यम से लगभग 800 पौधे लगाए हैं, ताकि एक हरित कल की ओर सहयोग दिया जा सके। कार्यक्रम में पर्यावरण जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों, महिलाओं और समुदाय के सदस्यों को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित करना था। इस पहल ने न केवल क्षेत्र की पारिस्थितिक सुंदरता को बढ़ाया, बल्कि सामुदायिक भागीदारी और पर्यावरण संरक्षण की मजबूत भावना को भी बढ़ावा दिया। हिन्दुस्तान ज़िंक की सीएसआर पहल के तहत, नव पुनर्निर्मित आगुचा तालाब के चारों ओर विकसित एक सुंदर उद्यान के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी रोहित चौहान, आईबीयू रामपुरा आगुचा क्लस्टर सीईओ राम मुरारी, प्रधान, हुरडा पंचायत कृष्ण सिंह राठौड़, यूनियन के महामंत्री महेंद्र सोनी, रामपुरा आगुचा के पर्यावरण प्रमुख दिनेश कुमार पालीवाल, हेड एडमिन अभिमन्यु सिंह राणावत, समाजसेवी जितेन्द्र नागर, जेईएन सिंचाई विभाग दिनेश दर्जी, हेड सीएसआर अभय गौतम, यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष महेंद्र सिंह चौहान उपस्थित थे। रामपुरा आगुचा माइंस महत्वपूर्ण सीएसआर परियोजनाओं के माध्यम से सतत विकास और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जो पर्यावरण और समुदाय दोनों को लाभान्वित कर रही हैं।

तुर्किए खुल कर पाक समर्थक

तुर्किए खुल कर पाकिस्तान का साथ दे रहा है। वह पाकिस्तान को लड़ने के लिए हथियार के साथ साथ नाटो में समर्थन का वादा कर रहा है। ध्यान रहे तुर्किए नाटो का सदस्य देश है। बांग्लादेश के अंतरिम शासन प्रमुख मोहम्मद यूनुस चीन जाकर भारत के चिकन नेक की बात कर चुके हैं और कह चुके हैं कि चीन के लिए समुद्र का रास्ता सिर्फ बांग्लादेश की ओर से खुलता है। म्यांमार में चीन समर्थित जुंटा की सरकार है तो नेपाल और मालदीव में चीन समर्थक नेताओं की सरकार है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चीन का दौरा कर आए हैं लेकिन अभी तक भारत का दौरा नहीं किया है। पहले नेपाल का हर प्रधानमंत्री पहली विदेश यात्रा भारत की करता था। मालदीव और नेपाल दोनों ने इस परंपरा को जहां तक अमेरिका की बात है तो डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की बातें कर रहे हैं और जिस तरह के काम कर रहे हैं उसे देखते हुए उनको दोस्त तो नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने 12 बार कहा है कि व्यापार और टैरिफ की धमकी देकर भारत और पाकिस्तान का युद्ध रुकवाया। उन्होंने स्टील और अल्यूमिनियम पर टैरिफ दोगुना कर दिया है, जिससे भारत को बड़ा नुकसान है। उन्होंने एपल को धमकाया है कि भारत में फैक्टरी लगाई तो खैर नहीं है। वे भारतीय छात्रों का वीजा रद्द कर रहे हैं और अवैध प्रवासियों में चेन से बांध कर सैनिक विमान से भारत भेज रहे हैं। ट्रंप ने प्रवासी भारतीयों के अपने घर पैसा भेजने पर साढ़े तीन फीसदी का टैक्स लगा दिया है। सोचें, यह सब मोदी के 11 साल के निर्बाध शासन के बाद हो रहा है! इन 11 सालों में उन्होंने 60 से ज्यादा देशों की यात्रा की है। सैकड़ों नेताओं से गले मिले हैं और उनको अपना दोस्त बताया है। जी 20 की मेजबानी की है। ग्लोबल साउथ का लीडर होने का दावा किया है। और आज मौजूद हकीकत क्या है? एक भी देश खुल कर भारत के समर्थन में नहीं है। उलटे सब पाकिस्तान की मदद में लगे हैं, जिसे अलग थलग करना भारत की विदेश नीति का एकमात्र लक्ष्य रहा है! ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान के नेता या उनके राजदूत इसके लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। पाकिस्तान ने अपनी पोजिशनिंग ऐसे की है, जिसका उसको फायदा मिल रहा है। वह चीन के लिए उपयोगी है तो अमेरिका और रूस के लिए भी उपयोगी बना है।

महाशक्तियां पाकिस्तान के साथ!

पहलगाम में 26 बेकसूर लोगों के मारे जाने की निंदा और आलोचना सबने की, पाकिस्तान ने भी की। लेकिन दुनिया के किसी देश ने पाकिस्तान का नाम लेकर उसको कठघरे में खड़ा नहीं किया। उलटे इस भयावह हमले के बाद अलग थलग होने की जगह पाकिस्तान के सभी देश मददगार हो गए। चीन से लेकर अमेरिका और रूस तक ने पाकिस्तान को अलग थलग होने से बचाया। तुर्किए ने खुल कर मदद की तो कुवैत ने भी पाकिस्तान को राहत दी है। सोचें, कुवैत ने पिछले 19 साल से पाकिस्तान के नागरिकों को वीजा देना बंद कर रखा था। लेकिन भारत के साथ सैन्य संघर्ष के बाद पिछले महीने 28 मई को कुवैत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा आवेदन फिर से खोल दिया। इसी तरह भारत के साथ सैन्य टकराव के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री चीन के दौरे पर गए तो बड़ा तोहफा लेकर लौटे। चीन ने जून के अंत तक पाकिस्तान को 3.7 अरब डॉलर का कर्ज देने का वादा किया है। पाकिस्तान इसमें से 2.4 अरब डॉलर का इस्तेमाल चीन के मैच्योर हो रहे कर्ज को वापस करने में करेगा। सोचें, चीन को पता है कि पाकिस्तान कर्ज नहीं लौटा सकता है तो उसने उसे कर्ज लौटाने के लिए 2.4 अरब डॉलर देने का फैसला किया और उसके बाद 1.3 अरब डॉलर का अलग से कर्ज दिया ताकि वह हथियार खरीद कर अपनी सेना को मजबूत करे। हैरानी की बात यह है कि पहलगाम कांड के बाद भारत के प्रति सद्भाव दिखा रहा अफगानिस्तान भी चीन के साथ खड़ा हो गया है। पिछले दिनों अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की बात हुई और उसके तुरंत बाद मुत्ताकी चीन पहुंच गए, जहां उन्होंने चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर का विस्तार अफगानिस्तान तक करने का करार किया। चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के विदेश मंत्रियों की एक साथ तस्वीर जारी हुई। खबर तो रूस के भी पाकिस्तान के साथ एक बड़ा करार करने की आई थी लेकिन भारत की सरकारी मीडिया ने रूस के किसी सूत्र के हवाले से इसका खंडन किया है। जापानी मीडिया निक्केई एशिया ने एक रिपोर्ट में कहा था कि पाकिस्तान में स्थित सोवियत संघ के जमाने की एक स्टील फैक्टरी को फिर से शुरू करने के लिए रूस और पाकिस्तान के बीच 2.6 अरब डॉलर का एक करार हुआ है। अभी तक सूत्रों के हवाले से इसका खंडन है। कहा जा रहा है कि रूस ऐसा कोई करार नहीं करेगा, जिससे भारत के सामरिक हितों को नुकसान हो। हालांकि रूस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। उलटे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डेढ़ घंटे की बातचीत के बाद इस बात की पुतिन प्रशासन ने पुष्टि की है कि ट्रंप ने निजी तौर पर दखल देकर भारत और पाकिस्तान का संघर्ष रूकवाया था।

राजनीति को नई दिशा देते विपक्षी दलों के नये चेहरे!

विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरूर जहां असंख्य भारतीयों की वाह-वाही लूट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। सिंदूर ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है। यूं तो सात दलों के सभी सदस्यों ने भरपूर तरीके से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है, लेकिन कांग्रेस के शशि थरूर एवं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी एक नये किरदार में नजर आये हैं। थरूर को लेकर कांग्रेस पार्टी में प्रारंभ से ही विरोध एवं विरोधाभास की स्थितियां बनी हुई। विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरूर जहां असंख्य भारतीयों की वाह-वाही लूट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। वे एक ऐसे कूटनीतिज्ञ राजनेता हैं, जो अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन करना जानते हैं। वे एक ऐसे स्वतंत्र सोच एवं साहसी निर्णय लेने वाले नेता भी हैं जो अपनी पार्टी के रुख से अलग भी स्टैंड लेते रहे हैं। लेकिन ताजा सन्दर्भों में वे कांग्रेस के लिए अब असहज सच्चाई बन गए हैं। क्योंकि थरूर ने वह सब कुछ किया है जिसकी पार्टी में इजाजत नहीं है। प्रतिनिधि मण्डल में थरूर के नाम पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी, क्योंकि कांग्रेस ने केंद्र को थरूर का नाम नहीं दिया था। थरूर ने कहा था- मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी और मेरी सेवाओं की जरूरत होगी, तो मैं पीछे नहीं रहूंगा।' थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी सहित कई देशों के दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को सुपर लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस के अनेक नेता थरूर की खिंचाई करने में जुटे हैं। उन्हीं में एक नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता तक बता दिया है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम को लेकर लगातार हमलावर हैं। 4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं। राहुल ने आगे कहा, उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदीजी क्या कर रहे हो? नरेंदर, सरेंडर और 'जी हुजूर' करके मोदीजी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। राहुल गांधी के इस भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान का थरूर ने जोरदार तरीके से जबाव दिया एवं कांग्रेस पार्टी को ही घेरा। राष्ट्रपति ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी। आग्रह-दुराग्रह से ग्रसित होकर कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ही बातें कर रहे हैं, इन कांग्रेसी नेताओं में दायित्व की गरिमा और गंभीरता समाप्त हो गई है। राष्ट्रीय समस्याएं और विकास के लिए खुले दिमाग से सोच की परम्परा उनमें बन ही नहीं रही है। जब मानसिकता दुराग्रहित है तो "दुष्प्रचार" ही होता है। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। राष्ट्र-विरोधी राजनीति एवं सत्ता-लोलुपता की नकारात्मक राजनीति हमें सदैव ही उल्ट धारणा (विपथगामी) की ओर ले जाती है। ऐसी राजनीति राष्ट्र के मुद्दों को विकृत कर उन्हें अतिवादी दुराग्रहों में परिवर्तित कर देती है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस ने राष्ट्रीय संकट में भी यही सब करके आम जनता से अधिक दूरियां बना ली है। शशि थरूर ने तो बड़ी लकीरें खींच दी, कांग्रेस कब ऐसी लकीरें खिंचने की पात्रता विकसित करेंगी? हर राजनीतिक दल को कई बार अग्नि स्नान करता पड़ता है, पर आज कांग्रेस तो "कीचड़ स्नान" कर रहा है। जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता जबकि भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं। बड़ी लकीरें तो प्रतिनिधिमण्डल में गये अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी खींची है। जिनमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विश्व की राजधानियों में भारत की स्थिति और मौजूद विकास को भी रेखांकित किया है। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया। यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! ओवैसी की राष्ट्रवादी सोच तो समय-समय पर सामने आती रही है। इस तरह मुस्लिम नेतृत्व अगर उदारता दिखाता तो देश के करोड़ों मुसलमानों के प्रति एक विश्वास और भाईचारे की भावना बढ़ती है। ओवैसी ने तो सबकी निगाहें अपनी ओर खींच ली थीं। इसी तरह डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने अपनी तल्ख और चतुराई भरे अंदाज से भारतीयों एवं दुनिया का दिल जीत लिया है। सांसद कनिमोझी ने स्पेन में अपने हिस्से का पक्ष रखते हुए भारत की राष्ट्रीय भाषा एकता और विविधता का जिक्र कर ऐसी बात कही है जिसके बाद वो जमकर वाहवाही लूट रही हैं। कनिमोझी ने इसके साथ ही कहा कि "हमारे अपने मुद्दे हो सकते हैं, अलग-अलग विचारधाराएं हो सकती हैं, संसद में हमारे बीच तीखी बहस हो सकती है, लेकिन जब भारत की बात आती है, तो हम एक साथ खड़े होते हैं, यही संदेश हम लेकर आए हैं।' उनकी ये बातें इसलिए भी खास हैं क्योंकि जहां एक ओर उनकी पार्टी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा नीति को चुनौती देते हुए गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने की बात कर रही है। वहां कनिमोझी एकता और विविधता को राष्ट्रीय भाषा बताते हुए अपना पक्ष रख रही हैं। डीएमके सांसद का ये अंदाज सुर्खियों का विषय बना है और लोग जमकर इसकी तारीफ कर रहे हैं। इसी तरह शिवसेना यूबीटी की प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत को न केवल बुद्ध और गांधी, बल्कि श्रीकृष्ण की भूमि भी बताया, जिन्होंने पांडवों से आग्रह किया था कि धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो युद्ध करने से न हिचकिचाएं। अब यह देखना बाकी है कि क्या सरकार ऐसे और कूटनीतिक प्रयासों में विपक्षी नेताओं का इस्तेमाल करना जारी रखेगी।

- ललित गर्ग

भारत का कोई सगा नहीं!

कोई न माने लेकिन नोट रखें इस दो टूक सत्य को कि अब भारत विश्व राजनीति की 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना' है! हम भले 22 मिनट के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर अपनी पीठ थपथपाएं लेकिन विश्व राजधानियों में भारत की असलियत खुल गई है। तभी न पुतिन साथ हैं, न शी जिनफिंग साथ हैं और न डोनाल्ड ट्रंप का हाथ है। सभी का रूख बदला हुआ है। सभी बूझ गए है कि भारत महज एक बाजार है। यदि पाकिस्तान पर छोटे से 22 मिनट के सैनिक ऑपरेशन के बाद भी भारत को डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता के भरोसे था तो वह क्या तो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पश्चिम की ताकत बनेगा और क्या चीन से लड़ेगा! हां, दुनिया के आगे प्रधानमंत्री मोदी और भारत की सुरक्षा-सामरिक-कूटनीति का पोर-पोर खुला है। विश्व नेताओं ने समझ लिया है कि बहुत मिल गए मोदी को फोटोशूट के मौके। अब भारत से उसके बाजार में धंधे के लिए बैठकें करेंगे, सौदे-समझौते करेंगे लेकिन विश्व राजनीति, भूराजनीति, सुरक्षा-सामरिक मसलों की बैठकों में भारत को भाव नहीं देना है। पश्चिमी देशों को चीन-रूस-उत्तरी कोरिया के गठजोड़ के मुकाबले में ताकतवर सच्चा साथी चाहिए न कि अवसरवादी, धंधे और ढिंढोरा पिटवाने का महायोद्धा। ऐसे भारत को बाजार जितनी ही अहमियत देनी चाहिए! त्रासद स्थिति है यह! पहले दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव में नेपाल से ले कर बांग्लादेश ने भारत को छिटका। अब ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने के बजाय दुनिया संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद विरोधी कमेटी का प्रमुख ही पाकिस्तान को बनवा दे रही है! इतना ही नहीं भारत की रोकने की हर संभव कोशिश के बावजूद पाकिस्तान को एक के बाद एक वैश्विक आर्थिक संस्थाओं से कर्ज और मदद मिली है। यह सब इसलिए है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति ने पिछले ग्यारह वर्षों में विश्व शक्तियों को जतला दिया है कि ऐसा कोई नहीं, जिसे ठगा नहीं! पश्चिम के आगे चीन से दुश्मनी दिखाते थे लेकिन उससे उलटे अडानी, अंबानियों का धंधा बढ़वाया। पश्चिम के दुश्मन रूस, ईरान से अंबानी को तेल खरीदवा रहे थे और वह उसे विश्व बाजार में रिफाइन करके बेच रहा था। ब्रिटेन, फ्रांस, यूरोपीय संघ जहां यूक्रेन के जेलेंस्की के लिए मरते हुए है वही भारत चोरी छुपे रूस का मददगार रहा। उधर चीन और रूस के साथ ब्रिक्स व आपसी व्यापार में गलबहियां तो साथ ही डोनाल्ड ट्रंप के आगे जी हजूरी भी! जाहिर है विदेश नीति न तटस्थ थी न निर्गुट। वह केवल अंबानी-अडानियों के धंधे और फोटोशूट की हीरोगिरी दिखलाने की रणनीति थी। तभी परिणाम था कि ज्योंहि भारतीय सेना का 22 मिनट का ऑपरेशन हुआ तो अमेरिका ने कहा हमारा क्या लेना-देना (यह नहीं कि हां, भारत ने आतंकी ठिकानों पर हमला करके ठीक किया)। वही चीन और खाड़ी के अरब देश, तुर्की सीधे पाकिस्तान की मदद करते पाए गए। न पुतिन ने भारत का समर्थन किया और न जी-7 के किसी भी एक देश ने भारत की पीठ थपथपाई।

युद्ध की तैयारी रखें!

पाकिस्तान से निश्चित लड़ाई होगी। और चीन करवाएगा। यों पाकिस्तान स्वंय भी लड़ना चाहता है वही राष्ट्रपति शी जिनफिंग के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वैश्विक उथलपुथल में मौका जबरदस्त है। चीन के कारण ही ट्रंप की लल्लोचप्पो के बावजूद पुतिन ने यूक्रेन से सुलह की बात नहीं बढ़ाई। चीन को हर हाल में अमेरिका का वर्चस्व खत्म करना है। राष्ट्रपति शी के दो उद्देश्य साफ दिख रहे हैं। अपनी धुरी पर विश्व राजनीति को केंद्रित करना तथा अमेरिका व डॉलर करेंसी को दूसरे नंबर पर धकेलना। इसलिए रूस-यूक्रेन की लड़ाई चलती रहेगी। वही चीन देर सबेर ताईवान पर कब्जा कर प्रशांत-एशिया क्षेत्र में वर्चस्व स्थापित करेगा। इधर दक्षिण एशिया में भारत से सीधे लड़ने की बजाय वह पाकिस्तान को भारत से लड़ा कर भारत का महाशक्ति होने का वैश्विक दंभ तोड़ने का इरादा बनाए हुए है। भारत बनाम पाकिस्तान को भिड़ाने की जल्दी क्यों? इसलिए कि ऑपरेशन सिंदूर से भारत के आत्मबल, सैनिक ताकत, वैश्विक हैसियत का इस्लामाबाद, बीजिंग सहित सभी विश्व राजधानियों में पोस्टमार्टम गहरा हुआ है। मोदी सरकार भारत के लोगों से चाहे जितना छुपाए रखे, दुनिया ने मोदी सरकार की जर्जरता को बूझ लिया है। आज भी पुतिन के एक सहायक ने ट्रंप-पुतिन की लंबी फोन वार्ता का ब्योरा देते हुए ट्रंप द्वारा ही भारत और पाकिस्तान में सीजफायर करवाने की बात कही। गुरूवार को पाकिस्तान का विदेश मंत्री यह कहते हुए था कि शिमला समझौता अब खत्म है। अर्थात मसला दोपक्षीय नहीं रहा। सो, चीन की रणनीति है कि वह भारतीय बाजार में सप्लाई से उसे अपने ऊपर निर्भर रख बेइंतहां कमाए। वही अपने गुर्गे पाकिस्तान को हथियार दे कर भारत से भिड़ाए। तथ्य नोट करेः 'ऑपरेशन सिंदूर' के साथ चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स ने तुरंत पीएल-15 मिसाइलें बीवीआर (Beyond Visual Range) श्रेणी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें पाकिस्तान को पहुंचाई। जानकार रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान के जेएफ-17 ब्लॉक थ्री लड़ाकू विमानों को इन पीएल-15 मिसाइलों से लैस किया गया है। चीन ने 2021 में ही पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली को बहुउद्देश्यीय जे-10सी लड़ाकू विमानों से लैस किया हुआ है। चीन से उसे सप्लाई और रणनीति जानकारियां मिलती हुई थीं तो उधर तुर्की से पाकिस्तान में ड्रोन से भरे विमान पहुंचे। उसके बाद क्या हुआ? चीन ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के साथ बैठकर वह समझौता किया, जिससे तीनों देशों में साझा पक्का बने। चीन प्रोएक्टिव पाकिस्तान का मददगार है। जबकि दूसरी तरफ उसने भारत की ऑटोमोबाइल कंपनियों में हाहाकार बनवा दिया है। चीन ने भारत को दुर्लभ पृथ्वी खनिज (rare earth mineral) देना कम कर दिया है। इससे भारत का रक्षा- इलेक्ट्रोनिक उत्पादन ठप होगा। चीन ने अप्रैल से इनकी आयात प्रक्रिया को इतना जटिल बना दिया है कि भारत की सामान्य ऑटो कंपनियों को भी रक्षा क्षेत्र में इनके उपयोग नहीं होने की गारंटी का 'एंड-यूज़ सर्टिफिकेट' देना पड़ रहा है। ऑटोमोबाइल कंपनियां कार उत्पादन रोक रही हैं। कल ही खबर थी कि मारूति-सुजुकी ने स्विफ्ट का उत्पादन रोका है। यह खनिज भारत में उत्पादित नहीं होता है। ऑटोमोबाइल कंपनियों, एयरोस्पेस निर्माताओं, सेमीकंडक्टर कंपनियों और रक्षा उत्पादक कंपनियों का उच्च-प्रदर्शन (high-performance) तथा निम्न-स्तरीय (low-end) मैग्नेट के बिना काम नहीं चलता है। चीन यदि ऑटोमोबाइल कंपनियों की आवश्यकता का हल्का मैग्नेट देने में भी भारत को रूला कर सप्लाई दे रहा है तो सोचें भारत को वह कैसे रक्षा उत्पादन में आगे बढ़ने देने या आत्मनिर्भर बनने देने का दुर्लभ पृथ्वी खनिज देगा? 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सप्लाई को ले कर बना हाहाकार बताता है कि चीन भारत को मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में अपना विकल्प नहीं बनने देगा। जबकि राष्ट्रपति शी जिनफिंग ने हाल में वियतनाम जा कर उसे प्रोत्साहित किया कि ट्रंप के टैरिफ की चिंता नहीं करें। हम सब देंगे और लेंगे। और नोट रखें जी-7 की बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ब्राजील में आयोजित चीनी छाया की ब्रिक्स बैठक में जाएंगे। मेरा मानना है वहां शी जिनफिंग अपने मोदीजी को पाठ पढ़ाएंगे मेरी शरण में आओ तो सब पाओगे। और यह वही होगा जो पिछले ग्यारह वर्षों से लगातार है। जो नेहरू के समय भी था और मोदी के समय में भी है कि आओ साथ-साथ झूला झूलें। मैं तुम्हें ठगूं तुम दूसरों को ठगो और करो धंधा मेरी विश्गुरूता मानकर!

संयुक्त राष्ट्र में पाक को जिम्मेदारी

इसके बाद बारी थी संयुक्त राष्ट्र संघ की। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत की ओर से पाकिस्तान पर आतंकवाद के प्रश्रय देने के आरोपों को कमजोर करने या उसे खारिज करने के लिए आतंकवाद पर एक महत्वपूर्ण कमेटी की अध्यक्षता पाकिस्तान को सौंप दी है। एक अहम कमेटी का उपाध्यक्ष पाकिस्तान को बनाया गया है। सोचें, भारत जिस पाकिस्तान को आतंकवाद पालने पोसने और पूरी दुनिया में उसका निर्यात करने वाला बताता है उस पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र संघ ने दो अहम जिम्मेदारी सौंपी है। एक जिम्मेदारी तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष की है। पाकिस्तान वर्ष 2025 में तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता करेगा। यह कमेटी 1988 में बनी थी और इसका मकसद तालिबान की मदद करने वाले व्यक्तियों, संगठनों आदि पर प्रतिबंध लगाने के लिए है। इसके अलावा पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष भी बनाया गया है। जबकि भारत कह रहा है कि पाकिस्तान आतंकवादियों की सबसे सुरक्षित पनाहगाह है। लेकिन क्या दुनिया इस बात को सुना- माना? क्यों पाकिस्तान क संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से आतंकवाद रोधी दो समितियों में से एक का अध्यक्ष और दूसरे का उपाध्यक्ष बनाया गया है? क्या यह भारत को चिढ़ाने या भारत की ओर से दुनिया में चलाए जा रहे नैरेटिव को कमजोर करने की कोई साजिश है? ऐसा कौन 'विश्व गुरू' भारत के साथ कर रहा है? सूत्रों के हवाले से मीडिया में खबरें हैं कि भारत इस फैसले से बहुत अपसेट है। लेकिन उससे किसकी सेहत पर फर्क पड़ रहा है? भारत की विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी संयुक्त राष्ट्र संघ में पाकिस्तान को इतनी अहम जिम्मेदारी दिए जाने का विरोध किया है। लेकिन भारत के अलावा दुनिया के किसी भी दूसरे देश ने नहीं कहा है कि पाकिस्तान आतंकवाद को प्रश्रय देने वाला देश है इसलिए उसको ऐसी अहम कमेटियों का नेतृत्व नहीं देना चाहिए। हैरानी की बात है कि यह तब हुआ है, जब भारत के प्रतिनिधिमंडल दुनिया का दौरा कर रहे थे। भारत के 59 नेता, सांसद, राजदूत आदि दुनिया के 33 देशों के दौरे पर थे। एक प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र संघ के पदाधिकारियों से भी मिला थाष भारत के सात डेलिगेशन दुनिया में घूम रहे थे। ध्यान रहे आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक, एडीबी और यूएनओ ये चारों संस्थाएं वही करती हैं, जो अमेरिका कहता है। अमेरिका चाहता तो पाकिस्तान को कोई कर्ज नहीं मिलता। लेकिन अमेरिका ने उसके रास्ते की सारी बाधा हटाई। यहां तक कि खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को विदेशी फंड देने पर लगाई गई रोक से छूट देते हुए 396 मिलियन यानी करीब साढ़े तीन हजार करोड़ रुपए का सिक्योरिटी असिस्टेंस जारी कर दिया है। अपने पिछले कार्यकाल में ट्रंप ने पाकिस्तान को मिलने वाली सारी मदद रोक दी थी। इतना ही नहीं ट्रंप ने दुनिया के 12 देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाया है और सात देशों को वीजा देने के नियम सख्त किए लेकिन पाकिस्तान को इस सूची से बाहर रखा।

अंग्रेजों से भिड़ने को टीम इंडिया ने कसी कमर... शुभमन गिल ने बहाया पसीना, जसप्रीत बुमराह की तगड़ी बॉलिंग

एजेंसी नई दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 20 जून से हो रही है। इस सीरीज में टीम इंडिया एकदम बदली हुई नजर आएगी। सबसे बड़ी बात है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली रिटायर हो चुके हैं और शुभमन गिल को इस सीरीज में टीम इंडिया का कप्तान बनाया गया है। इस सीरीज के लिए टीम इंडिया इंग्लैंड पहुंच चुकी है। वहीं टीम इंडिया ने लीड्स में खेले जाने वाली टेस्ट सीरीज से पहले तैयारियां शुरू कर दी हैं। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले लॉर्ड्स में अभ्यास करके दौरे की शुरुआत की। जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह की तेज गेंदबाजी चौकड़ी के अलावा नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल, ऋषभ पंत और ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में अभ्यास किया। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के संन्यास लेने के बाद गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान बनाया गया। वह एक अपेक्षाकृत युवा टीम की अगुआई कर रहे हैं जिसका लक्ष्य 2007 के बाद से इंग्लैंड में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतना है। सीरीज हेडिंग्ले में शुरू होगी जिसके बाद एजबेस्टन, लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और ओवल में टेस्ट मैच खेले जाएंगे। भारतीय टेस्ट टीम में शामिल कुछ खिलाड़ी अभी भारत ए की तरफ से नॉर्थम्पटन में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनधिकृत टेस्ट मैच में खेल रहे हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव

4 ओवर में 4 विकेट... भारतीय टेस्ट टीम में नहीं मिली जगह, इंग्लैंड में बाएं हाथ के पेसर ने मचाई खलबली

एजेंसी नॉर्थम्प्टन

भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे पर 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज से पहले इंडिया ए की टीम इंग्लैंड दौरे पर है। वहां इंग्लैंड लायंस के खिलाफ टीम अपना दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेल रही है। मैच के तीसरे दिन इंडिया ए के लिए खलील अहमद ने कमाल की बॉलिंग की। दूसरे दिन का खेल खत्म होने के समय इंग्लैंड लायंस का स्कोर 3 विकेट पर 192 रन था। खलील अहमद ने चार ओवर में चार विकेट लेकर इंग्लैंड लायंस की कमर तोड़ दी। 51वें ओवर में उन्होंने फिफ्टी की तरफ बढ़ रहे जॉर्डन कॉक्स को आउट किया। उन्होंने 45 रनों की पारी खेली। उनका कैच ध्रुव जुरेल ने लपका। इसके बाद उन्होंने 55वें ओवर में लगातार दो गेंद पर दो विकेट लिए। पहले जेम्स रेउ 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अगली ही गेंद पर जॉर्ज हिल भी आउट हो गए। खलील ने उन्हें बोल्ड किया। इससे इंग्लैंड लायंस का स्कोर 223 रन पर 6 विकेट हो गया। अपने अगले ओवर में खलील अहमद ने क्रिस वोक्स का भी शिकार कर लिया। इंग्लैंड के प्रमुख ऑलराउंडर में शामिल वोक्स ने 5 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने उनका कैच लिया। इसने इंग्लैंड लायंस की हालत खराब कर दी। टीम का स्कोर 7 विकेट पर 229 रन हो गया। इंडिया ए ने इस मुकाबले में पहले बैटिंग की थी। टीम ने केएल राहुल के शतक की मदद से 348 रन ठोके थे। प्रिया सरोज और रिंकू सिंह की सगाई लखनऊ में हुई। कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ के सेंट्रम होटल में किया गया। प्रिया यूपी के मछलीशहर से सांसद हैं। वहीं स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह अलीगढ़ के रहने वाले हैं। जब स्टेज पर रिंकू सिंह ने अंगुठी पहनाई तो प्रिया सरोज इमोशनल हो गईं। उनकी आंखों में आंसू थे। वह उसे पोछने की कोशिश कर रही थीं। इसकें छिपाने के लिए वह पीछे की तरफ भी घूम गईं। 26 साल की प्रिया सरोज ने समाजवादी पार्टी के बैनर तले पिछले साल ही मछलीशहर लोकसभा सीट से चुनाव जीता था। 2019 में दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद प्रिया सरोज ने 2022 में एमिटी यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री हासिल की।

कागिसो रबाडा के खिलाफ कैसा है स्टीव स्मिथ का रिकॉर्ड देखकर नहीं कर पाएंगे भरोसा

एजेंसी नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में लॉर्ड्स के मैदान पर भिड़ने वाली हैं। इस मैच में क्रिकेट फैंस को स्टीव स्मिथ और कगिसो रबाडा के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। ऑस्ट्रेलिया 2023 में जीते WTC मेस को बचाने उतरेगा। वहीं, दक्षिण अफ्रीका पहली बार वर्ल्ड क्रिकेट का खिताब जीतने की कोशिश करेगा। स्मिथ और रबाडा के बीच के आंकड़े बताते हैं कि मुकाबला दिलचस्प होगा। टेस्ट में स्टीव स्मिथ ज्यादातर गेंदबाजों पर भारी पड़ते हैं। लेकिन कागिसो रबाडा के साथ ऐसा नहीं है। साउथ अफ्रीका के पेसर ने स्मिथ को काफी परेशान किया। स्मिथ ने रबाडा की 262 के खिलाफ 128 गेंदों का सामना किया है। इसपर उनके बल्ले से 128 रन बने हैं। इस दौरान स्मिथ का स्ट्राइक रेट सिर्फ 48.85 का रहा। स्मिथ ने रबाडा के खिलाफ टेस्ट में 16 चौके और 2 छक्के मारे हैं। टेस्ट मैचों में कागिसो रबाडा ने स्टीव स्मिथ को चार बार आउट किया है। उनके खिलाफ स्मिथ का औसत सिर्फ 32 का है। इससे साफ है कि रबाडा स्मिथ पर भारी पड़ते हैं। डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को अगर खिताब एक बार फिर जीतना है तो स्मिथ का चलना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्हें कागिसो रबाडा से सतर्क रहने की भी जरूरत है। वैसे भी लॉर्ड्स की पिच तेज गेंदबाजों को काफी मदद करती है। यहां सीम और स्विंग रहती है। दोनों खिलाड़ियों का लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर रिकॉर्ड अच्छा है। रबाडा का औसत 19.38 है, जो फाइनल में खेलने वाले सभी गेंदबाजों में सबसे अच्छा है। स्मिथ ने लॉर्ड्स में पांच टेस्ट मैचों में 58.33 की औसत से 525 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। रबाडा ने आईपीएल के दौरान एक महीने का बैन झेला था। वह साउथ अफ्रीका के लिए मैदान पर आकर अपनी अहमियत साबित करना चाहेंगे।

हेनरिक क्लासेन ने 33 साल की उम्र में क्यों लिया संन्यास, अब जाकर वजह का खुलासा किया

एजेंसी नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने इसी महीने की शुरुआत में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। सिर्फ 33 साल की उम्र में क्लासेन की इस फैसले ने सभी को हैरान कर दिया। वे दक्षिण अफ्रीका की टीम के लिए वाइट-बॉल क्रिकेट में सबसे प्रमुख बल्लेबाज थे। क्लासेन ने सोशल मीडिया पर संन्यास का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'मुझे यह तय करने में बहुत समय लगा कि मेरे और मेरे परिवार के लिए भविष्य में क्या अच्छा है।' हेनरिक क्लासेन ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में दक्षिण अफ्रीका के लिए खेला। वे उस टीम का भी हिस्सा थे जो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार गई थी। क्लासेन ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को लगभग पहली बार जीत दिला दी थी। लेकिन भारत ने शानदार वापसी करके उन्हें रोक दिया। अप्रैल में क्रिकेट साउथ अफ्रीका के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में उन्हें जगह नहीं मिली। संन्यास की वजह का खुलासा करते हुए हेनरिक क्लासेन ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी से पहले मेरी रॉब के साथ लंबी बातचीत हुई। मैंने उनसे कहा कि मुझे अपने दिल में अच्छा नहीं लग रहा है कि क्या हो रहा है। मुझे इसमें ज्यादा मजा नहीं आ रहा है। हमने अच्छे से बात की। हमने 2027 में होने वाले वर्ल्ड कप तक सब कुछ अच्छे से प्लान किया। इसलिए जब उन्होंने कोच के रूप में काम करना बंद कर दिया और CSA के साथ कॉन्ट्रैक्ट की बातचीत योजना के अनुसार नहीं हुई, तो मेरे लिए फैसला लेना बहुत आसान हो गया।' हेनरिक क्लासेन अब चार प्रमुख लीग में खेल सकते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो आईपीएल के अलावा वह मेजर लीग क्रिकेट, एसए20 और द हंड्रेड में खेलेंगे। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद उन्हें एक सीजन खेलने के 23 करोड़ रुपये मिलते हैं।

मुझे तो थप्पड़ मारना चाहिए था... श्रेयस अय्यर के साथ बवाल पर शशांक सिंह ने तोड़ी चुप्पी, किसकी गलती थी

एजेंसी नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह को मुंबई इंडियंस के खिलाफ क्वालिफायर 2 के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने खूब डांटा था। मैच के एक अहम मोड़ पर शशांक रन आउट हो गए थे, जिससे श्रेयस काफी नाराज थे। हालांकि श्रेयस ने टीम को जीत दिला दी, लेकिन शशांक की लापरवाही उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं आई। मैच के बाद श्रेयस ने शशांक को खूब खरी-खोटी सुनाई और उन्हें अपना मुंह न दिखाने तक को कह दिया। पंजाब किंग्स के कप्तान ने कुछ अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया। अपनी गलती मानकर शशांक ने बताया कि फाइनल में आरसीबी से हारने तक उनके पिता ने भी उनसे बात नहीं की। उन्होंने श्रेयस अय्यर की कप्तानी की भी जमकर तारीफ की। आईपीएल 2025 के क्वालिफायर 2 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक महत्वपूर्ण मैच के दौरान, पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह एक गलती कर बैठे। वे रन आउट हो गए। इस वजह से टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर उनसे बहुत नाराज हुए। श्रेयस ने शशांक को मैदान पर ही डांट दिया और उन्हें कुछ सख्त बातें भी कहीं। शशांक ने अपनी गलती मानी और कहा कि उन्हें ऐसी प्रतिक्रिया मिलनी ही चाहिए थी। उन्होंने श्रेयस अय्यर की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा कि वे मौजूदा समय में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक हैं। हालांकि, फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा। शशांक सिंह ने इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए कहा कि वे अपनी गलती के लिए खुद को जिम्मेदार मानते हैं। उन्होंने बताया कि श्रेयस अय्यर ने उन्हें खूब डांटा और यहां तक कह दिया कि उन्हें अपना मुंह भी नहीं दिखाना चाहिए। शशांक ने कहा, 'मुझे ये सुनना ही था, अय्यर को तो मुझे थप्पड़ मारना चाहिए था, मेरे पिता ने भी फाइनल तक मुझसे बात नहीं की। मैं बहुत लापरवाह था, जैसे बीच पर घूम रहा था, जबकि मुझे गार्डन में होना चाहिए था। वो एक बहुत ही नाजुक समय था, श्रेयस को मुझसे ऐसी उम्मीद नहीं थी, लेकिन बाद में वे मुझे डिनर पर ले गए।' शशांक सिंह ने आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के लिए दूसरा सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 153 के स्ट्राइक रेट से 341 रन बनाए। उन्होंने श्रेयस अय्यर की कप्तानी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि श्रेयस से बेहतर कप्तान कोई नहीं है। शशांक ने कहा, 'मैंने दूसरों से जो भी सुना है और देखा है, उसके हिसाब से आज के समय में उनसे बेहतर कप्तान कोई नहीं है। वे हमें खुलकर खेलने देते हैं और सभी को एक जैसा मानते हैं। कोई भी ये नहीं कहेगा कि श्रेयस में एटीट्यूड है।'

व्यापार

इन दो बड़े बैंकों का कर्ज हुआ सस्ता, ब्याज दर में की कटौती, होम लोन वालों को कितना होगा फायदा

एजेंसी नई दिल्ली

बैंक ऑफ बड़ौदा (BOB) ने अपनी ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की है। यह कमी भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ब्याज दरों में कटौती के बाद की गई है। वहीं, एचडीएफसी बैंक ने भी अपने एमसीएलआर को 0.10 फीसदी तक घटाया है। इससे उन लोगों को फायदा होगा जिन्होंने लोन लिया है। आरबीआई ने हाल में अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए नीतगित ब्याज दरों में कटौती की थी। बैंक ऑफ बड़ौदा (BOB) ने रविवार को बताया कि उसने अपनी प्रमुख उधारी दर में 0.50 फीसदी की कटौती की है। यह कटौती आरबीआई की ब्याज दरों में कटौती के बाद की गई है। बैंक ने कहा कि यह कटौती 7 जून से लागू हो गई है। एचडीएफसी बैंक ने भी अपने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेल्ड लेंडिंग रेट्स (एमसीएलआर) में कटौती की है। यह कटौती अलग-अलग समय के लिए 0.10 फीसदी तक की गई है। इससे उन लोगों को फायदा होगा जिन्होंने लोन लिया है और जिनका लोन इस बेंचमार्क से जुड़ा है। बीओबी ने एक बयान में कहा कि आरबीआई ने रेपो दर में जो कटौती की है, उसी के अनुसार बैंक ने अपनी आरएलएलआर में 0.50 फीसदी की कटौती की है। इसका मतलब है कि आरबीआई ने जो बदलाव किए हैं, उसी के हिसाब से बीओबी ने भी अपनी ब्याज दरों में बदलाव किया है। बैंक ने बताया कि अब उसकी आरएलएलआर 8.15 फीसदी है। बीओबी ने यह भी कहा कि आरबीआई ने जितनी कटौती की है, उतनी ही कटौती उसने भी की है। इसका मतलब है कि बीओबी ने आरबीआई की बात पूरी तरह से मानी है। वहीं, एचडीएफसी बैंक की वेबसाइट के अनुसार, नई एमसीएलआर दरें 7 जून से लागू हो गई हैं। इसका मतलब है कि यह बदलाव 7 जून से ही लागू हो गया है। कटौती के बाद एक दिन और एक महीने की दरें 0.10 फीसदी घटकर 8.90 फीसदी हो गई हैं। तीन महीने की दर 0.10 फीसदी घटकर 8.95 फीसदी हो गई है। छह महीने और एक साल की दर 0.10 फीसदी घटकर 9.05 फीसदी हो गई है। इसका मतलब है कि अलग-अलग समय के लोन पर ब्याज दरें कम हो गई हैं। दो साल और तीन साल की अवधि के लिए लोन की दर पहले 9.20 फीसदी थी, जो अब 9.10 फीसदी हो गई है। इसका मतलब है कि लंबे समय के लोन पर भी ब्याज दर कम हो गई है। इससे पहले, शुक्रवार को आरबीआई ने ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की थी। आरबीआई ने यह कदम अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए उठाया था। इसके साथ ही, आरबीआई ने बैंकों को ज्यादा पैसा उधार देने के लिए नकद आरक्षित अनुपात में भी कटौती की थी। आरबीआई ने कहा था, 'अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ब्याज दरों में अपेक्षा से अधिक 0.50 फीसदी की कटौती की गई है।' आरबीआई ने यह भी कहा था कि बैंकों को उधार देने के लिए ज्यादा धन उपलब्ध कराने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कटौती की गई है। इसका मतलब है कि आरबीआई चाहता है कि बैंक ज्यादा से ज्यादा लोगों को लोन दें।

1,2,3,4... भारत में जिस चीज का मन रहा हर तरफ जश्न, दिग्गज ने उस पर दे दी ये बड़ी चेतावनी

एजेंसी नई दिल्ली

भारत जल्द ही दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। यह खबर कई लोगों के लिए अभी भी एक सपने जैसी है। लेकिन, विशेषज्ञों ने भारत को सावधान किया है। उनका कहना है कि भारत को खुश नहीं होना चाहिए। भले ही वह जापान को पीछे छोड़ने वाला है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के पूर्व प्रबंध निदेशक क्लाउड स्मादजा ने इस बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था का आकार तो बहुत बड़ा है। लेकिन, प्रति व्यक्ति जीडीपी जापान से बहुत पीछे है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के अनुसार, अप्रैल 2025 तक भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी $2,878.4 है। यह जापान की प्रति व्यक्ति जीडीपी $33,955.7 का सिर्फ 8.5 फीसदी है। इससे पता चलता है कि जापान की प्रति व्यक्ति आय भारत से लगभग 11.8 गुना ज्यादा है। स्मादजा के अनुसार, 'हां, अर्थव्यवस्था का आकार एक अच्छा संकेत है। इससे धारण बन सकती है कि वैश्विक स्तर पर देश का आर्थिक वजन कितना है। लेकिन, मायने यह रखता है कि प्रति व्यक्ति जीडीपी कितनी है।' स्मादजा का मानना है कि भारत की बेहतर आर्थिक स्थिति सुधारों को और तेज करने के लिए प्रेरणा होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक विकास का लाभ सभी नागरिकों को मिलना चाहिए। यह सिर्फ बढ़ते मध्यम वर्ग तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। स्मादजा ने कहा कि भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी की दौड़ में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। भारत के पास बिग डेटा का अनूठा फायदा है। भारत में इंटरनेट और मोबाइल फोन का इस्तेमाल बहुत ज्यादा होता है। इसलिए यहां डेटा बहुत तेजी से बढ़ रहा है। यह डेटा हमारे जीवन के कई पहलुओं पर असर डालता है।

स्मादजा ने चेतावनी दी है कि भारत को अपने डेटा की सुरक्षा करनी चाहिए। अमेरिकी टेक कंपनियां भारत के डेटा तक पहुंचना चाहती हैं। चीन ने अपने डेटा के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। यूरोप भी नियमों को सख्त कर रहा है। स्मादजा ने कहा, 'भारत में हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम इस बड़ी रणनीतिक संपत्ति की रक्षा करें।' यह डेटा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप टेक जैसी तकनीकी तरक्की के लिए बहुत जरूरी है। इसका इस्तेमाल सभी लोगों के फायदे के लिए किया जाना चाहिए। खासकर ग्रामीण इलाकों में। स्मादजा ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए और भी अच्छी नीतियां बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की कंपनियां टेक्नोलॉजी को खरीदने में ज्यादा ध्यान देती हैं। उसे विकसित करने में नहीं। रिसर्च और डेवलपमेंट पर बढ़ाना होगा फोकस स्मादजा के अनुसार, भारतीय कंपनियों को रिसर्च और डेवलपमेंट (R&D) पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। भारत में युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है। यह एक बहुत बड़ा फायदा है। लेकिन, लोगों को कौशल सिखाने और उन्हें फिर से प्रशिक्षित करने की बहुत जरूरत है। भारत को 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल करना है। इसके लिए उसे अपने औद्योगिक आधार को बढ़ाना होगा। कारण है कि जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी चीन से बहुत कम है।

अगले हफ्ते शेयर मार्केट में पैसा कमाने का मौका, 4 नए आईपीओ की एंट्री, एक की होगी लिस्टिंग

एजेंसी नई दिल्ली

जून का महीना आईपीओ के लिए अच्छा रहने वाला है। 9 जून से शुरू होने वाले सप्ताह में चार कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं। इनमें एक मेन बोर्ड से और बाकी तीन एसएमई सेगमेंट से हैं। इन कंपनियों का लक्ष्य बाजार से 300 करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाना है। ये कंपनियां BSE, NSE और SME सेगमेंट में लिस्ट होंगी। इससे निवेशकों को अलग-अलग सेक्टर में निवेश करने का मौका मिलेगा। इनमें मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग और केमिकल जैसे सेक्टर शामिल हैं। इन नए IPO के अलावा, गंगा बाथ फिटिंग्स के शेयर 11 जून को NSE SME प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। ओसवाल पंप्स पानी के पंप बनाने वाली कंपनी है। इसका आईपीओ 13 जून से 17 जून तक खुला रहेगा। यह मेनबोर्ड सेगमेंट में लिस्ट होगा। इसके शेयर BSE और NSE दोनों पर लिस्ट होंगे। IIFL कैपिटल इस IPO को मैनेज कर रही है। इसके प्राइस बैंड के बारे में कंपनी ने रविवार दोपहर 2 बजे तक कोई जानकारी नहीं दी है। कंपनी जल्दी ही इसके बारे में घोषणा करेगी। जो लोग भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर और खेती के लिए पानी के मैनेजमेंट में निवेश करना चाहते हैं, वे इस IPO में पैसा लगा सकते हैं। सैचीरोम एक केमिकल और फ्रेगरेंस बनाने वाली कंपनी है। इसका आईपीओ 9 जून को खुलेगा और 11 जून को बंद हो जाएगा। इसके शेयरों की कीमत 96-102 रुपये के बीच होगी। कंपनी 61.62 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इसके शेयर NSE SME प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। GYR कैपिटल एडवाइजर्स इस IPO को मैनेज कर रही है। जैनिक पावर एंड केबल्स का आईपीओ 10 जून को खुलेगा और 12 जून को बंद हो जाएगा। इसके शेयरों की कीमत 100 से 110 रुपये के बीच होगी। कंपनी 51.30 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। यह आईपीओ NSE SME प्लेटफॉर्म पर आएगा। फास्ट ट्रैक फिनसेक इस आईपीओ को मैनेज कर रही है। यह कंपनी पावर केबल और वायरिंग बनाती है। यह भारत के बढ़ते पावर इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए काम करती है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक दयाराम दिव्य द्वारा मुद्रक वेदांत प्रभाकर, मेधा कम्प्यूटर्स एंड ऑफसेट प्रिंटर्स, ऑफिस नं. 128, वार्ड नं. 25, नंदभवन कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं एस-20, प्रतापनगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक दयाराम दिव्य 96949 57624, 87695 58132 * PRB एक्ट के तहत ख़बरों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भीलवाड़ा होगा